>

Title: Need to carve out a separate state of Poorvanchal from Uttar Pradesh.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): भारत गणराज्य घोÂिात होने के उपरांत भी राÂट्रीय सुरक्षा की दÂिट से तथा क्षेत्रीय विकास के असंतुलन को दूर करने के लिए समय-समय पर विभिन्न राज्यों का पुनर्गठन हुआ है। 10 वÂाऱ पूर्व एन.डी.ए. सरकार के समय भी तीन नए राज्य उत्तराखंड, झारखंड और छत्तीसगढ़ का निर्माण हुआ। आज भी देश के अंदर विभिन्न क्षेत्रों में नए राज्यों के निर्माण की मांग लगातार हो रही है। नए राज्यों के निर्माण राÂट्रीय सुरक्षा तथा क्षेत्रीय विकास को ध्यान में रखकर हो इस दÂिट से उत्तर प्रदेश के पुनर्गठन की मांग प्रारंभ हुई है। देश की सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व का पूर्वी अंचल जिसकी आबादी लगभग 5-6 करोड़ है लगातार सरकारी उपेक्षा का शिकार हुआ है। इस क्षेत्र में एक भी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, केन्द्रीय चिकित्सा संस्थान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान अथवा भारतीय प्रबंधन संस्थान नहीं है। एक भी उद्योग नहीं है। एकमात्र नकदी फसल के रूप में विख्यात चीनी उद्योग लगातार दम तोड़ रहा है। नेपाल तथा बिहार से जुड़ी सीमा होने के कारण यह अत्यंत ही संवेदनशील क्षेत्र बन चुका है। राÂट्रीय सुरक्षा तथा क्षेत्रीय विकास की दÂिट से इस क्षेत्र को नए राज्य के रूप में पुनर्गठित किया जाना आवश्यक है।

कृपया उत्तर प्रदेश का पुनर्गठन करके पूर्वी अंचल का पुण्यांचल (पूर्वांचल) के नाम पर नया राज्य बनाया जाए।